

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। जाटूसाना थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। बेरली रोड पर हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक हादसे के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने 12 सितंबर को केस दर्ज करने के बाद चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। इस मामले में पुलिस ने पिछड़ावास निवासी पवन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हादसे में प्रयुक्त वाहन भी अपने कब्जे में ले लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और धमकी देने के मामलों में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। कसोला पुलिस ने 11 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने सेक्टर-3 में रह रहे मूल रूप से यूपी के उमरगंज निवासी सुमित और आईएमटी बावल में रह रहे बिहार के डेरा निवासी बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया। खोल थाना पुलिस ने 10 सितंबर को दर्ज मामले में खोरी निवासी अंकित को गिरफ्तार किया है, जबकि सिटी पुलिस ने भिवानी के जमालपुर निवासी तरुण और दीपक को गिरफ्तार किया है।

पोक्सो एक्ट का आरोपी चढ़ा हथ्थे

रेवाड़ी। बावल थाना पुलिस ने गत 22 जुलाई को नाबालिग के अपहरण के मामले में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करने के बाद नाबालिग को बरामद कर लिया था। इस मामले में बिहार के शेखपुर सराय निवासी शुभम पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस ने उसे लक्ष्मण दो माह बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

झगड़े की आशंका के चलते तीन काबू

बावल। पुलिस ने आपसी विवाद में झगड़ा बढ़ने की आशंका के चलते दो मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रानौली में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। इसमें झगड़ा बढ़ने की आशंका बनी हुई थी। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने पवन और रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया। खेड़ा मुरार में भी दो पक्षों के बीच झगड़े की आशंका को देखते हुए पुलिस ने गांव निवासी सत्तू उर्फ सतीश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया गया।

घरेलू विवाद में पति-पत्नी घायल, तीन पर केस दर्ज कोसली।

क्षेत्र के गांव सहायनगर के एक व्यक्ति ने अपने ही बड़े भाई तथा दो भतीजों पर उन्हें व उनकी पत्नी को मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। कंवर पाल ने नाहड़ पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार रात वह अपने कमरे में पत्नी से दिन के समय पत्नी व मां के मध्य हुए विवाद को लेकर बात कर रहे थे कि सांझा मकान में रह रहे उनके बड़े भाई राम बिलास व उनके दोनों लड़कों रोहित और मनोज ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी तथा नीचे गिराकर मनोज ने उनके सिर पर कुल्हाड़ी दे मारी। उनकी पत्नी ने छुड़वावने की कोशिश की तो तीनों ने उसके साथ भी मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे उनके दूसरे बड़े भाई रविन ने उन्हें व उनकी पत्नी को उपचार के लिए के लिए कोसली अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कंवर पाल की शिकायत पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

एशियन गेम्स में शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाले कमलजीत से बातचीत, कहा, हर कदम पर कोच शक्तिपाल ने साथ देकर लगातार बढ़ाया हौसला

नरेन्द्र वत्स >>> रेवाड़ी

एशियन गेम्स में देश के लिए शूटिंग में सटीक निशाना साधकर गोल्ड मेडल हासिल करने वाले सुलखा निवासी युवा शूटर ने इस मुकाम तक पहुंचने में कड़े संघर्ष का सामना किया है। आकाश का कहना है कि सबसे बड़ी दिक्कत आर्थिक संकट रहा, परंतु उसके कोच शक्तिपाल ने हर कदम पर साथ देते उसका हौसला टूटने नहीं दिया। अब उसका लक्ष्य वर्ष

2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में देश के लिए सोना जीतना है, जिसकी तैयारी वह अभी से शुरू करने वाले हैं।

शनिवार को 'हरिभूमि' से फोन पर हुई बातचीत में

आर्थिक तंगी के बावजूद रही टारगेट पर नजर ओलंपिक गेम्स में नाम कमाने की ओर बढ़ेगी डगर

गांवों में नहीं प्रतिभाओं की कमी

कमलजीत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। खासकर खेलों में क्षेत्र में अगर ग्रामीण बच्चों को शुरू से ही तैयार किया जाए, तो वह देश-विदेश में नाम रोशन करने में सक्षम साबित हो सकते हैं। इसके लिए गांवों में खेल सुविधाओं में विस्तार करना जरूरी है। युवाओं को भी नशे से दूर रहकर खेलों के क्षेत्र में अपना ध्यान लगाना चाहिए, ताकि वह देश के लिए कुछ कर सकने में सक्षम हो सकें।

कमलजीत ने कहा कि वह साधारण किसान परिवार से संबंध रखते हैं। खेतीबाड़ी करने वाले पिता रतिराम पर पूरा परिवार चलाने का जिम्मा होने के कारण उन्हें शूटिंग की प्रैक्टिस में लगातार

आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। प्रैक्टिस की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए चाचा दिनेश से भी कुछ मदद मिलती रही, लेकिन वह पर्याप्त नहीं होती थी। कोच शक्तिपाल ने

चयन की कसौटी से गुजरना होगा

कमलजीत ने बताया कि इस गोल्ड मेडल ने उन्हें दो साल बाद होने वाले ओलंपिक खेलों में गोल्ड जीतने का हौसला दिया है। वतन लौटते ही वह इसकी तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक में भाग लेने के लिए उन्हें चयन की कसौटी से गुजरना होगा, परंतु वह इसके लिए खुद को पूरी तरह से तैयार करने का प्रयास करेंगे। ओलंपिक गेम्स में सटीक निशाना साधा ही अब उनका लक्ष्य रहेगा।

उन्हें लगातार हिम्मत देकर आश्वस्त किया था कि वह एक दिन जरूर कुछ बड़ा करेंगे।

सात साल पहले जब एक्सिडेंट हुआ, तो एक बार उनका सपना टूटता नजर आने

लगा, लेकिन उन्होंने बेड़ पर रहते हुए भी निशानेबाजी का अभ्यास नहीं छोड़ा। राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें कुछ साल पहले सफलता मिली, तो उससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मनोबल मिला।

सोलहराही में 22 व बड़ा तालाब में 25 गार्डन लाइटों के लगाए पोल, फर्म को कनेक्शन का इंतजार

गार्डन व फ्लड लाइटों से रोशन होंगे सोलहराही व बड़ा तालाब

दोनों तालाबों में 28 फ्लड लाइटें भी लगेगी

हरिभूमि न्यूज >>> रेवाड़ी

लंब समय बाद शहर के दो ऐतिहासिक तालाब सोलहराही व बड़ा तालाब की लाइटों से जगमग करने की तैयारी शुरू हो गई है। तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ था। कार्य पूरा होने के बाद अब 9 महीने बाद शुरू हुआ लाइटें लगाने का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। पीडब्ल्यूडी बी एंड आर विभाग की ओर से बड़ा तालाब व सोलहराही तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया है। दोनों तालाबों के जीर्णोद्धार पर करीब 9 करोड़ रुपये खर्च किए गए। दोनों तालाबों में 47 गार्डन लाइटें व 28 फ्लड लाइटें लगाई जा रही हैं। वर्तमान में सोलहराही तालाब परिसर के अंदर चारों ओर भारी मात्रा में कंटीली झाड़ियां व खरपतवार ऊंग चुकी है। तालाबों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना है।



रेवाड़ी। सोलहराही तालाब में गार्डन लाइटों के लगाए गए पोल।

फोटो : हरिभूमि

सोलहराही तालाब के पास बह रहा सीवर

करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद प्रशासन की ओर से दोनों तालाबों की सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐतिहासिक धरोहरों में लगाए गए डस्टबिन कचरे से भरे हुए हैं, वहीं जगह-जगह कचरे के ढेर लगने के साथ खरपतवार ऊंगी हुई है। सोलहराही तालाब



सोलहराही तालाब के आगे सीवर ओवरफ्लों का गंदा पानी

पितृपक्ष में पंद्रह दिन मंदी की मार, नवरात्र में गुलजार होंगे बाजार

हरिभूमि न्यूज >>> रेवाड़ी

पितृपक्ष शुरू होते ही शहर के बाजारों में खरीदारी की रफ्तार धीमी पड़ने लगी है। शहर के प्रमुख बाजार खाली नजर आने लगे हैं। धार्मिक मान्यताओं के चलते इन 15 दिनों में लोग नए सामान की खरीदारी और शुभ कार्यों से दूरी बनाए रखते हैं। इसका असर बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही और कारोबार पर दिखाई देने लगा है। हालांकि कारोबारियों की नजर अब नवरात्र पर टिकी है। नवरात्र शुरू होते ही बाजारों में खरीदारी का दौर तेज होने और आगामी त्योहारों के साथ कारोबार के गुलजार होने की उम्मीद है। श्राद्ध पक्ष के दौरान लोग कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, वाहन और

रेवाड़ी। पितृपक्ष शुरू होते ही बाजार में कम हुई भीड़।

फोटो : हरिभूमि

आभूषण जैसी महंगी वस्तुओं की खरीदारी टाल देते हैं। दुकानदारों के अनुसार रोजमर्रा की जरूरत का सामान तो बिक रहा है, लेकिन बड़े खर्च वाली खरीदारी में कमी देखी जा रही है। बाजारों में ग्राहकों की संख्या भी सामान्य दिनों की कारोबार के गुलजार होने की उम्मीद है। श्राद्ध पक्ष के पहले ही दिन शहर के प्रमुख बाजार वीरान नजर आने लगे। पितृपक्ष के दौरान बाजार

नवरात्र से बदल जाएगा माहौल

पितृपक्ष समाप्त होने के बाद नवरात्र के साथ बाजार में रौनक लौटने की उम्मीद है। नवरात्र को शुभ समय मानते हुए लोग नए सामान की खरीदारी शुरू करते हैं। इसके बाद दशहरा और दीपावली का त्योहार होने के कारण बाजारों में खरीदारी और बढ़ती है।

व्यापारियों ने शुरू की तैयारी

त्योहारी सीजन को देखते हुए व्यापारियों ने दुकानों में नए उपहार और अलग-अलग रंग का स्टॉक जुटाना शुरू कर दिया है। कपड़ा बाजार से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, आभूषण और फर्नीचर कारोबारियों की उम्मीद है कि नवरात्र से बिक्री में तेजी आएगी। त्योहारों का सीजन कारोबार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। दशहरा और दीपावली को गति मिलने की उम्मीद है।

नशीला पदार्थ बेचने के मामले में एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हथ्थे

हरिभूमि न्यूज >>> रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने स्मैक बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके घर से पुलिस ने बीते सप्ताह स्मैक बरामद की थी, लेकिन आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लग सका था। उसके खिलाफ 19 सितंबर को एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहल्ला गुर्जरवाड़ा निवासी विक्रम उर्फ चिकरा अपने मकान से नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का धंधा करता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी के मकान पर रेड की। विक्रम उस समय पुलिस के हाथ नहीं लगा। तलाशी के दौरान मकान से 7.23 ग्राम

पहले कई थानों में केस दर्ज

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी विक्रम उर्फ चिकरा एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी थाना मॉडल टाउन रेवाड़ी, थाना शहर तथा जिला नूंह के पुलिस थानों में एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के पांच अभियोग दर्ज हैं। उससे पूछताछ के बाद पुलिस नशा मुहैया कराने के आरोपी की तलाश में जुट गई है।

अवैध स्मैक बरामद हुई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की थी। आखिरकार पुलिस ने आरोपी विक्रम को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

सुबह-शाम भारी गर्मी का असर होने लगा खत्म, तीन दिन से लगातार गिर रहा दिन का तापमान

मौसम में बदलाव से गर्मी की विदाई के संकेत

अक्टूबर के शुरू में ठंड की शुरुआत की उम्मीद, इसके बाद संभालनी पड़ेगी लोगों को रजाई

हरिभूमि न्यूज >>> रेवाड़ी

सितंबर का अंतिम सप्ताह आते-आते मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। अक्टूबर माह की दस्तक के साथ गर्मी की विदाई के संकेत मिलने लगे हैं। पिछले दिनों तेज धूप और उमस से परेशान लोगों को अब आसमान में छाप बादलों से राहत मिली है। बादलों के कारण तापमान में नरमी महसूस होने लगी है और

मौसम का मिजाज पहले की अपेक्षा ठंडा पड़ने लगा है। दिन में धूप का असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन सुबह और शाम के समय मौसम में बदलाव साफ महसूस किया जा सकता है। लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले तक जहां गर्मी और उमस परेशान कर रही थी, वहीं अब मौसम सुहावना लगने लगा है। मौसम के बदले मिजाज का असर अगले दो-तीन दिनों तक बने रहने के आसार हैं। आसमान में बादल छाप रहने से दिन के तापमान में अधिक बढ़ोतरी नहीं होने की संभावना है। यदि इस दौरान बूंदाबांदी होती है तो तापमान में और गिरावट आ सकती

रेवाड़ी। एक खेत में की गई रबी की फसल बुआई की तैयारी।

फोटो : हरिभूमि

है। बारिश के बाद सुबह और शाम की ठंडक में भी इजाफा होने की उम्मीद है। शनिवार को अधिकतम तापमान 1.2 डिग्री की गिरावट के साथ 31.0 पर आ गया। दिन के तापमान में गत तीन दिनों से लगातार कमी आ रही है। न्यूनतम तापमान भी

1.5 डिग्री की कमी के साथ 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आसमान में दिन भर आंशिक बादल छाप रहे। मौसम विभाग के अनुसार अभी दो-तीन दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान बूंदाबांदी भी हो सकती है।

गर्मी के बाद अब सर्दी की तैयारी

अक्टूबर शुरू होते ही मौसम में बदलाव का सिलसिला और तेज होने लगता है। रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने के साथ सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस होने लगती है। ऐसे में लोगों ने घरों में रखे गर्म कपड़ों की तरफ भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। अलमारी में बंद स्वेटर, जैकेट और अन्य गर्म कपड़ों को निकालकर धूप दिखाने का समय अब नजदीक आ गया है।

बाजार में जल्द आएगा बदलाव

मौसम बदलने के साथ बाजार में भी इसका असर दिखाई देने लगेगा। गर्मियों के कपड़ों की मांग कम होने के बाद दुकानदार सर्दियों के कपड़ों का स्टॉक जुटाने की तैयारी करेंगे। आने वाले दिनों में हल्के गर्म कपड़ों की खरीदारी शुरू होने की उम्मीद है।

अभी दिन में गर्मी का असर रहेगा

हालांकि अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही पूरी तरह ठंड का दौर शुरू नहीं होगा। दिन में धूप निकलने पर गर्मी का अहसास बना रह सकता है। मौसम में वास्तविक ठंडक धीरे-धीरे बढ़ेगी। फिलहाल बादलों की आवाजाही और संभावित बूंदाबांदी ने गर्मी से परेशान लोगों को राहत के संकेत जरूर दे दिए हैं।

कोसली क्षेत्र के गांव से नाबालिग लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव से एक नाबालिग बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। लापता नाबालिग के पिता ने कोसली थाने में दी शिकायत में बताया कि दसवीं कक्षा में पढ़ रही उनकी बेटी बुधवार दोपहर बिना बताए घर से चली गई। वह प्रातः मजदूरी करने गए थे। दोपहर बाद घर आए तो पत्नी ने बेटी के लापता होने की जानकारी दी। उन्होंने अपने स्तर पर लड़की की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क
इंड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ ओसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात
स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी करता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

निवेशक क्या करें?

- **पहला** : एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा** : स्मॉल कैप का हिस्सा जाँचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा** : लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयवधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा** : आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां** : बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है
रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन एसआईपी प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा?", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशन के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 59.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

एयूएम गिरा, फी भी निवेशक जुड़े रहे
फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उनका ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पैरल करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों की भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रेप की ओर बढ़ रहे हैं?

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, भुगतान करना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को दकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दंड कितना है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी है। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनका ब्याज दर और बतों की तुलना करके प्राथम्यता या उचित समेकन के विकल्पों पर बंद या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में आया है।

अतिरिक्त जानकारी
क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बढ़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

खबर संक्षेप

एसपी ने एसआई को पुलिस लाइन भेजा रेवाड़ी। डहीना पुलिस चौकी में शिकायतकर्ता के साथ रूखा व्यवहार करने और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने एक एसआई को पुलिस लाइन का रास्ता दिखा दिया। एक पखवाड़े में ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का यह तीसरा मामला है। एसपी को शिकायत मिली थी कि चौकी में तैनात एसआई विकास का शिकायत लेकर आने वाले लोगों के प्रति व्यवहार सही नहीं रहता। वह अपनी ड्यूटी को भी सही ढंग से नहीं निभा रहा है। एक शिकायतकर्ता की ओर से एसपी को एसआई के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। क्रास चेक करने के बाद एसपी ने शनिवार को एसआई का ताबदला पुलिस लाइन में कर दिया।

आंगनबाड़ी में महिलाओं को किया जागरूक

महेंद्रगढ़। शहर के वार्ड नंबर 13 की आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत दूसरे दिन भी आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी वर्कर आशा रानी ने आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, महिलाओं को मिलने वाली विभिन्न सेवाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आशारानी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लीला देवी, सोनू, बिरमानंद सहित अनेक महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

धौलेड़ा गांव में ट्यूबवेल से 100 फीट केबल चोरी

नारनौल। क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार सामने आ रही हैं। अब धौलेड़ा गांव में एक किसान के ट्यूबवेल से करीब 100 फीट केबल चोरी होने का मामला आया है। चोरों ने पहले कुएं पर बने कमरे का दरवाजा तोड़ा और इसके बाद मोटर से ट्यूबवेल तक लगी केबल काटकर ले गए। किसान के अनुसार चोरों ने केबल को मौके पर ही छीलकर उसमें से तांबे की तार निकाली और रबड़ वहीं छोड़ गए। किसान वेदपाल ने बताया कि वह शनिवार सुबह अपने ट्यूबवेल पर पहुंचा था। उसने देखा कि कुएं पर बने कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि मोटर से ट्यूबवेल तक लगी करीब 100 फीट लंबी केबल गायब है।

झंडा चौक पर रामलीला 5 अक्टूबर से

मंडी अटेली। अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति के कलाकार नियमित रूप से रihर्सल कर रहे हैं। झंडा चौक पर पांच अक्टूबर से रामलीला का मंचन किया जाएगा। रihर्सल के दौरान कलाकार अपने-अपने पात्रों के संवाद, अभिनय और भाव-भंगिमाओं का अभ्यास कर रहे हैं। हनुमान का किरदार संजय गुप्ता, दशरथ का एडवोकेट सुनील, सुशील का वेदप्रकाश, ताड़का का राक्षस सैनी, शंकर का पिंकू शर्मा और राघव का किरदार पवन शास्त्री निभा रहे हैं। बाणासुर की भूमिका गौरव गार्ह और मनोज कावटिया निभा रहे हैं।

एक छत के नीचे मिलीं सरकारी सेवाएं ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर से राहत

मंडी अटेली। सरकारी योजनाओं और सेवाओं के लिए अ ल ग - अ ल ग कार्यालयों के चक्कर लगाने वाले ग्रामीणों को शनिवार को सिष्टमा ब्लॉक में राहत मिली है। येवा संकल्प अभियान के तहत बाबा खेतानाथ मंदिर में आयोजित शिविर में एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखी और संबंधित विभागों से जानकारी लेकर कई कार्यों की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी करवाई। किसी ने बिजली से जुड़ी समस्या रखी तो किसी ने परिवार पढ़वान पत्र में सुधार की जानकारी ली। बुजुर्ग पेनन से संबंधित कार्यों के लिए भी ग्रामीण पहुंचे। बिजली विभाग के एसडॉओ अमित सोनी ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित कर्मचारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। परिवार पढ़वान पत्र के जौनल मैनेजर इन्द्रपाल ने भी समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर समाधान किया। सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविर आयोजित होने से लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार शहर के कार्यालयों में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस मौके पर डॉ. राजपाल, डॉ. शक्ति सिंह, संजय, डॉ. राकेश कुमार, ग्राम सचिव मंजीत, नवीन कुमार, दीप सिंह, वीरेंद्र प्रधान, प्रमोद यादव, समीर यादव, कपिल, पंकज, जालंधर सहित अन्य मौजूद रहे।

मंडी अटेली। ग्रामीणों की समस्याएं सुनते अधिकारी।

अंतरसदनीय हिंदी वक्तृत्व कला में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा परेरा सदन विजेता, अर्जन सदन को मिला उपविजेता का खिताब

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

जिले के गांव गोठड़ा अहीर स्थित सैनिक स्कूल में सह-शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग के लिए अंतरसदनीय हिंदी वक्तृत्व कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने शिरकत की। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल जय सिंह राठौड़, उप प्राचार्या स्ववाइन लीडर वंदना चौधरी व वरिष्ठ अध्यापक गजेन्द्र सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका दुर्गा सिंह टीजीटी हिंदी, अरविंद कुमार टीजीटी सामाजिक विज्ञान व प्रवीण टीजीटी हिंदी ने निभाई। वहीं संपन्न कार्य सोहन सिंह टीजीटी गणित व आशीष ठाकुर लैब असिस्टेंट ने किया। प्रतियोगिता में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के हिंदी वक्तृत्व के अलग-अलग बारह विषयों में चौबीस प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार रखे। वरिष्ठ वर्ग में कैडेट हर्ष दायमा कक्षा



रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेता कैडेट्स को सम्मानित करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

स्पर्धा से बढ़ता है आत्मविश्वास

इस मौके पर प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि हिंदी प्रेम, स्नेह व ममत्व की भाषा है। कैडेट्स इसमें सहजता से विचार प्रकट कर अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं। भाषण प्रतियोगिताएं सिर्फ, प्रतियोगिताएं नहीं हैं, बल्कि ये सार्वजनिक भाषण की कला को पोषित और प्रदर्शित करने वाले मंच हैं। ये प्रतियोगिताएं प्रतिभागियों को आत्मविश्वास, स्पष्टता और दर्शकों को आकर्षित करने की क्षमता विकसित करने में मदद करती हैं। भाषण के माध्यम से सार्वजनिक भाषण में महारत हासिल करने से न केवल व्यक्ति के संचार कौशल में सुधार होता है, बल्कि आत्म-सम्मान और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। भाषण में उत्कृष्टता कैडेट्स के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रभारी अध्यापकों, सदनध्यक्षों, छात्र प्रभारी कैडेट उत्पल व सभी अकादमिक-प्रशासनिक कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। मंच संचालन कैडेट एकता, नीतिका, पंकज व कैडेट आदर्श ने किया। प्रतियोगिता के समग्र प्रभारी योगेश कुमार सिंघल टीजीटी हिंदी थे।

की ओर से आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड प्रतियोगिता 2025 के पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पांच स्वर्ण पदक, 11 रजत पदक व 23 कांस्य पदक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड फाउंडेशन नई दिल्ली

कुमार ओझा रहे। इस मौके पर समन्वयक दुर्गा सिंह, योगेश कुमार सिंघल व प्रवीण टीजीटी हिंदी को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त हिंदी पखवाड़े में सम्पन्न हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

पुलिस लाइन की समस्या सुलझाने को लेकर की बैठक

- एसपी दीपिका अग्रवाल ने पेयजल और सीवरेज की दिक्कतें दूर करने के लिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा मार्गदर्शन में दिल्ली रोड स्थित पुलिस लाइन में पुलिस रेंजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। एसपी दीपिका अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुलिस लाइन में रहने वाले पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर आवासीय कॉलोनी के निवासियों ने पेयजल आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित

नुककड़ नाटक से स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

सतत विकास लक्ष्य दिवस के उपलक्ष्य में मीरपुर स्थित आईजीयू के सोशल वर्क डिपार्टमेंट की ओर से हाइजीन एवं स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत के तहत समाज में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कोर्ट परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपना मन फाउंडेशन का सहयोग रहा। इस मौके पर छात्रा आशा, मंजू बाला, नेहा, मनीषा, शुभम व मनोज कुमार ने नुककड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश



रेवाड़ी। कोर्ट परिसर में नुककड़ नाटक पेश करते हुए विद्यार्थी।

दिया। फाउंडेशन से संगीता दयाल ने बार एसोसिएशन प्रधान सौरभ राव सहित सभी पदाधिकारियों को आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, जलवायु कार्रवाई तथा शांति, न्याय एवं सशक्त संस्थाएं सहित अन्य संबंधित सतत विकास लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी गई। नुककड़ नाटक के माध्यम से

विद्यार्थियों ने लोगों को साफ-सफाई रखने, स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने विद्यार्थियों के नुककड़ नाटक के माध्यम से दिए गए संदेश की सराहना की। अपना मन फाउंडेशन से प्रधान राहुल राठौर व फाउंडेशन की कोषाध्यक्ष अनुराधा सैनी ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए छात्राएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ कोसली

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर की छात्राओं को आईजीयू में राव तुलाराम के जीवन पर आधारित राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। रागिनी लोकगीत में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा उर्वशी व भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुसुम सहित सभी 21 प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दोनों छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से शहीद शिरोमणि राव तुलाराम के जीवन, संग्राम और बलिदान को प्रभाशाली ढंग से मंच पर जीवंत किया। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने सभी छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि दक्षिण हरियाणा के एकमात्र सरकारी महिला रीजनल सेंटर



रेवाड़ी। छात्राओं को सम्मानित करते निदेशक एवं स्टाफ सदस्य।

की बेटियां किसी भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि उर्वशी और कुसुम ने ग्रामीण अंचल की बेटियों के हौसले को नई उड़ान दी है। डा. अनिल कुमार ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डा अंजलि, सोनिया, रीनू यादव, नीलम यादव व मंजीत सहित छात्राएं उपस्थित रहीं।

साझा करें सुझाव

उन्होंने अरडब्ल्यूए और पुलिस लाइन के निवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याएं और सुझाव लगातार साझा करते रहें तथा परिसर की स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग दें। बैठक में पुलिस अधिकारी और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

खेलकूद क्षेत्र को बेहतर बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। एसपी दीपिका ने कहा कि पुलिस लाइन केवल आवासीय परिसर नहीं, बल्कि पुलिस परिवार का साझा घर है। इसलिए इसे स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाए रखने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है।



रेवाड़ी। बैठक में समस्याएं सुनते हुए एसपी दीपिका अग्रवाल। फोटो : हरिभूमि

मुद्दे अधिकारियों के समक्ष रखे। एसपी ने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी समस्या के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से पत्राचार की आवश्यकता है तो उसमें किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

एसपी ने कहा कि पुलिस लाइन में रहने वाले परिवारों की सुविधाओं का ध्यान रखना प्राथमिकता है। प्राप्त शिकायतों और सुझावों पर चरचाबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी और कार्यों की प्रगति की निर्यापित समीक्षा भी होगी। बैठक में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सीवरेज, पार्क, पुस्तकालय और बच्चों के

भगवान परशुराम शिक्षा समिति ने बूढ़पुर में पूर्णिमा पर किया हवन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

भगवान परशुराम शिक्षा समिति की ओर से बूढ़पुर परिसर में पूर्णिमा के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के अध्यक्ष सत्य प्रकाश गौतम की अध्यक्षता व आचार्य विशाल शास्त्री के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष गौतम ने कहा कि समिति परिसर में भवन निर्माण कार्य को गति देने के लिए संपूर्ण समाज को एकजुट होकर आगे आना चाहिए, ताकि शीघ्र ही निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जा सके। जिला ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष दीपक मुद्गल ने आश्चस्त



रेवाड़ी। पूर्णिमा पर हवन करते हुए समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

किया कि संपूर्ण समाज को साथ लेकर समिति के भवन निर्माण के लिए सहयोग प्राप्त किया जाएगा। समिति के महासचिव एडवोकेट अजय शर्मा ने कहा कि संस्था निरंतर अपने छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है। कार्यकारिणी सदस्य पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा ने बताया कि संस्था को सीएसआर

फंड प्राप्त करने के लिए हरियाणा सरकार में पंजीकृत करा दिया गया है। इस अवसर पर मधुसूदन शर्मा एडवोकेट, वासुदेव वशिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, तेजभान कुकरेजा सेवानिवृत्त शिक्षक, पुनीत वशिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, गजराज व श्रीराम मूंडल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बी फामेर्सी के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग शेड्यूल जारी

आईजीयू में 15 अक्टूबर को शुरू होगी कक्षाएं

विवि रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता अकादमिक मामलों एवं औषध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने बी फामेर्सी सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन केंद्रित काउंसिलिंग शेड्यूल की घोषणा की है। यह शेड्यूल हरियाणा राज्य



प्रो. सुनील कुमार।

तकनीकी शिक्षा समिति की ओर से जारी किया गया है। कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, शोध-उन्मुख और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। बी फामेर्सी

पाठ्यक्रम में पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा 2026 के माध्यम से योग्यता सूची

पाठ्यक्रम में पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा 2026 के माध्यम से योग्यता सूची

जारी किए जाने के बाद अब प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 15 अक्टूबर को होगी तथा प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है।



ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों व साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को डोर डू दोर अभियान के दौरान गांव शादीपुर और मोहदीनपुर में युवाओं व ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया तथा साइबर अपराधों के खतरों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अधिकारसय कर देता है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराधों से भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में आप सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए तथा साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देती पुलिस टीम।

गत वर्ष सितंबर में 200 पार पहुंच गया था आंकड़ा

डेंगू मरीजों की संख्या 41 पर पहुंची अर्बन में सबसे ज्यादा मिले 19 केस



अब तक 1635721 घरों की हो चुकी जांच | लार्वा मिलने पर 2316 लोगों को दिए गए नोटिस

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

सितंबर माह में डेंगू मरीजों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन एक्टिविटी के साथ स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को डेंगू का एक मरीज और मिलने से सीजन में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 41 पर पहुंच चुका है। अभी तक अर्बन में सबसे ज्यादा 19 डेंगू के केस मिले हैं, जहां स्वास्थ्य विभाग को सावधानी बरतने की जरूरत है, वहीं मलेरिया केसों

की संख्या भी 13 हो चुकी है। गत वर्ष 2025 में 26 सितंबर तक डेंगू मरीजों का आंकड़ा 205 पर पहुंच गया था। इस बार कम मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग को राहत है। मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए डेंगू-मलेरिया संभावित क्षेत्रों में फोगिंग कराई जा रही है, वहीं ठहरे हुए पानी में काला तेल व टेमोपास की दवा डाली जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम फील्ड विजिट के दौरान अब तक 1635721 घरों में लार्वा की जांच की जा चुकी है। वहीं लार्वा मिलने पर 2316 लोगों को नोटिस थमाए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम कर रही जागरूक

स्वास्थ्य विभाग की टीम से हेल्थ इंस्पेक्टर, एमपीएचडब्ल्यू व बीडिंगि वेकर लोगों को बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सीएचसी गुरावड़ा से एचआई बिरेन्द्र सिंह ने टीम के साथ गांव विल्हड़ में फील्ड विजिट के दौरान लार्वा की जांच की। पीएचसी आंकेड़ा से एचआई कपूर सिंह ने गांव गुजर घटाल में सरपंच, पंचायत सदस्यों व ग्रामीणों के साथ बैठक की तथा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया व टीबी जैसी बीमारियों से बचाव के बारे जागरूक किया। ग्रामीणों को बताया गया कि अपने घरों व आसपास पानी जमा न होने दें, कूलरों की सफाई करें, मच्छरदाबी का प्रयोग करें और गांव में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। टीबी के लक्षणों व गुप्त इलाज के बारे में भी जानकारी दी। सरपंच ने गांव में फोगिंग व नालियों की सफाई कराने का आश्वासन दिया। अनाजमंडी में एमपीएचडब्ल्यू विनोद ने फील्ड विजिट कर लार्वा की जांच की। वहीं टीम की ओर से गांव खालेटा में विद्यार्थियों को डेंगू-मलेरिया से बचाव की जानकारी दी गई।

2859 लोगों के ब्लड सैपल लिए जा चुके

डिप्टी सीएमओ व मलेरिया नोडल अधिकारी डा. जोगेन्द्र तंवर ने बताया कि जिले में अभी तक 41 डेंगू पॉजिटिव मरीज व 13 मलेरिया केस मिल चुके हैं। शहर में 19, मीरपुर सीएचसी में 8, बावल सीएचसी में 8, गुरावड़ा सीएचसी में 3 तथा खोल सीएचसी में 2 व नाहड सीएचसी के अन्तर्गत 1 डेंगू का केस मिल चुका है। सीजन में अब तक 2859 लोगों के ब्लड सैपल की स्लाइड तैयार की गई है।

डेंगू की रोकथाम के प्रयास जारी: डा. तंवर

जिले में डेंगू से निपटने के लिए पूरे प्रयास किया जा रहे हैं। मच्छरों की रोकथाम के ठहरे पानी में दवाई डाली जा रही है। डेंगू से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहने, मच्छरदाबी व मास्क/टी रिफ्लेंट का प्रयोग करें। अपने आसपास पानी जमा न होने दें। जमा पानी में काला तेल या मिट्टी का तेल डालें ताकि मच्छर के लार्वा का खाला हो सके।
- डा. जोगेन्द्र तंवर, डिप्टी सीएमओ रेवाड़ी।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में सर्टिफिकेट लेते हुए रमन राव। फोटो: हरिभूमि

रमन राव को मिला इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के बी लाइसेंस कोच का डिप्लोमा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकादमी के कोच एवं संचालक रमन राव हाल ही में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन म्यूनिख जर्मनी में बी लाइसेंस कोच से सम्मानित किए गए। उन्होंने बताया कि पिछले 2 साल से वह लगातार कोर्स करते आ रहे हैं। यह कोर्स तीन चरणों में होता है, जिसमें सबसे पहले डी कोर्स के लिए चयनित होना होता है, उसे पास करने के बाद सी कोर्स के लिए चयनित होना होता है, अथवा उसे पास करने के बाद भी कोर्स के लिए चुनिंदा कोच को चुना जाता है, जिसमें देखा जाता है की किस क्षेत्र में रिसर्च करना चाहते हैं, उसी के आधार पर आईएसएसएफ द्वारा कोर्स के लिए स्वीकृति दी जाती है। यह कोर्स किसी भी अंतरराष्ट्रीय शूटिंग टीम के साथ काम करने के लिए अति अनिवार्य है, इसके बिना किसी भी अंतरराष्ट्रीय शूटिंग टीम में कोच के पद पर नहीं जा सकते हैं।



रेवाड़ी। कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

■ कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व श्रद्धालुओं ने भाग लिया
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

शहर के मोहल्ला सराय बलभद्र स्थित काली माता मंदिर संत फकीर धाम में शनिवार को सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। कथा के शुभारंभ से पूर्व श्रद्धालुओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा शहर के कटला बाजार से होते हुए भाड़ावास गेट, अग्रसेन चौक व नाईवाली चौक से सरकुलर रोड होते हुए मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व

श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि स्वामी सर्मागानंद महाराज दड़ौली आश्रम व रिकू सेनी ने हरी झंडी दिखाकर कलश यात्रा को रवाना किया। काली माता मंदिर के महंत अभय गिरी महाराज व कथा व्यास पुरुषोत्तम महाराज ने नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। महंत ने बताया किश्रीमद् भागवत कथा का आगामी 7 दिन तक जारी रहेगी। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक रहेगा। कथायात्रा में कहा कि कथा में विशेष रूप से पितृ तर्पण व पिंडदान कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष में पितृ तर्पण कार्य का बहुत अधिक महत्व बताया गया है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य लोग मौजूद थे।



गार्ल्स कॉलेज पाली में वार्षिक खेल सम्पन्न गुंजन को मिला बेस्ट एथलीट का अवॉर्ड

रेवाड़ी। राजकीय महिला महाविद्यालय पाली में एक दिवसीय 12वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डा. करण यादव ने किया और छात्राओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल भावना बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। प्रतियोगिता की 100 मीटर रेस में गुंजन बीए ऑनर्स ने प्रथम, एकता बीकॉम ने द्वितीय व संजना बीए ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस में गुंजन बीए ऑनर्स ने पहला, कीर्ति बीकॉम ने दूसरा एवं मुकानन बीए तीसरा स्थान प्राप्त किया। शॉटपुट में गुंजन बीए ऑनर्स पहले, बीपी की दीपू दूसरे एवं आशु तीसरे स्थान पर रही। लॉन्ग जंप में मनीषा ने प्रथम, संजना ने द्वितीय व अंजलि बीए ऑनर्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में गुंजन बीए ऑनर्स फर्स्ट इंधर बेस्ट एथलीट रही। प्रतियोगिता के मुख्यातिथि डा. आनंद राज शर्मा चेयरपर्सन मांडण राजस्थान थे। फिजिकल एजुकेशन के सहयक प्रोफेसर आकाश यादव ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेलों से स्वास्थ्य तो ठीक रहता है साथ ही मनुष्य का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास भी होता है। खेलकूद से पुष्ट और स्फूर्तिमय शरीर ही मन को स्वस्थ बनाता है। मंच संचालन हवा सिंह और डा. योगिता यादव ने किया। प्राचार्य, खेल प्रमारी एवं स्टाफ सदस्यों ने मुख्य अतिथि को मोमेंटो मेंट किया।

कबड्डी में भोजावास विजेता व मायण बना उपविजेता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

माजरा एम्स हनुमान जी मेले में अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं व भंडारे का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी कबड्डी डू एंड डाई में भोजावास व मायण के बीच हुई, जिसमें भोजावास की टीम ने जीत हासिल की। डा. संजय मेहरा ने विजेता व उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। 55 किलाग्राम भ्रम वर्ग बाल कबड्डी में बधराना ने प्रथम व भोजावास ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भोजावास टीम से बेस्ट कैचर मन्नु व बेस्ट रेडर सचिन रहे। मेले में बावल व विजय बैरियर, दिनेश टैंट,



रेवाड़ी। मेले में विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विपिन माजरा व जोगेंद्र यादव ने सहयोग दिया। मंदिर के आचार्य मनोज तिवारी ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर कुशती दंगल भी आयोजित हुआ, जिसमें 11 हजार का कामड़ा भालखी की गुर्जर ढाणी के हर्ष व लजवाना निवासी प्रदीप के बीच बराबर रहा। दोनों पहलवानों को

मंजीत यादव ने सम्मानित किया। इस मौके पर गांव के सरपंच परमजीत, मेला कमेटी से ज्येंद्र, विनोद कालिया, आकाश, मनोषा व हिमंत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मेले में कामेटी प्रूपेंद्र व पावल ने की, जबकि रेफरी की भूमिका डीपी बोहका, रामफल, जौन सिंह, विनोद व सुभाष ने निभाई।

ब्राह्मण समा की आम सभा आज, आय-व्यय का ब्योरा होगा पेश

रेवाड़ी। ब्राह्मण समा की आम सभा 27 सितंबर को आयोजित की जाएगी। शनिवार को आम सभा को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। आमसभा की अध्यक्षता समा प्रधान चंद्रशेखर जौतम करेंगे। आम सभा का आयोजन ब्राह्मण समा कार्यालय बहमगढ़ में होगा। सभा के महासचिव जयकुमार कौशिक ने बताया कि आमसभा में उपस्थित सभी कॉलेजियम सदस्यों के सम्मक्ष वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा वर्ष 2025-26 की प्रगति रिपोर्ट सहित सभा की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

आंगन मिलन सेवा के अंतर्गत निकाली कलश यात्रा

■ आंगनबाड़ी केंद्रों में गीत, कविता, कहानी, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियां कराई

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मांड्यूल नंबर-4 आंगन मिलन सेवा के अंतर्गत रेवाड़ी और बावल ब्लॉक में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराई गईं। लाभार्थियों एवं उनके परिवारजनों



रेवाड़ी। अभियान के तहत कलश यात्रा निकालती महिलाएं तथा कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

को आमंत्रित किया गया तथा विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में गीत, कविता, कहानी, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में बच्चों ने बहचद्वर कर भाग लिया। इस मौके

पर महिलाओं ने कलश यात्रा भी निकाली। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को विभागीय

योजनाओं से जोड़ना, योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाना तथा बच्चों, महिलाओं एवं परिवारों को उपलब्ध सेवाओं का प्रभावी लाभ दिलाना है। कार्यक्रम में गांवों के पंच व सरपंच सहित लाभार्थी मौजूद थे।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन 28 को

रेवाड़ी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण व शहरी की ओर से आगामी 28 सितंबर को केंद्र व चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। वोट चोरी के आरोपों और चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे और सचिवालय तक विरोध मार्च निकालकर ज्ञापन सौंपेंगे। कार्यक्रम में कांग्रेस के सह-प्रमारी जितेंद्र भगेल विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष सुभाष छावड़ी ने बताया कि 28 सितंबर को सुबह 11 बजे सभी कार्यकर्ता और नेता राजीव गांधी चौक पर एकत्रित होंगे। जहां से पैदल विरोध मार्च करते हुए सचिवालय पहुंचेंगे और ज्ञापन सौंपेंगे। विरोध मार्च को लेकर पार्टी स्तर पर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्षों के अलावा एससी सेल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल और कांग्रेस के सभी संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, रोड-1 वाला बग्गा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 0053076211, 0295738500, 0295454800

एसपी ने कहा कि ठगी का शिकार होने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले से ही जागरूक रहकर ठगी से बचा जाए

ठग से बातचीत या लेन-देन जारी रखने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए आमजन को डिजिटल रूप से सुरक्षित व सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपने मोबाइल फोन में 'अभेद्य ऐप' डाउनलोड करने का आग्रह किया है, ताकि लोग साइबर ठगी के नए-नए तरीकों को समझकर समय रहते खुद को साइबर अपराधियों से सुरक्षित रख सकें। एसपी मीणा ने

कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन बैंकिंग, खरीदारी, पढ़ाई, नौकरी, कारोबार और मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बन चुका है। इसी के साथ साइबर अपराधी भी लोगों को ठगने के लिए फर्जी लिंक, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, ऑनलाइन शॉपिंग, फर्जी निवेश, सोशल मीडिया, डिजिटल अरेस्ट और अन्य नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना हर नागरिक के लिए जरूरी है।

अभेद्य ऐप में साइबर सुरक्षा की सभी जानकारी

अभेद्य ऐप नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने में मदद करता है। इसके माध्यम से नागरिक साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी, जागरूकता सामग्री और ऑनलाइन खतरों से बचने के उपयोगी उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एसपी ने कहा कि साइबर ठगी का शिकार होने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले से ही जागरूक रहकर ठगी से बचा जाए। अभेद्य ऐप इसी जागरूकता को मजबूत करने का एक उपयोगी माध्यम है।

आज ही मोबाइल में डाउनलोड करें ऐप

एंड्रॉयड मोबाइल उपयोगकर्ता गूगल प्ले स्टोर से अभेद्य ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एसपी ने अपील करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, शिक्षक, व्यापारी, उद्योगपति, वैदिक एवं डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले नागरिक, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक तथा युवा स्वयं इस ऐप को डाउनलोड जरूर करें और अपने परिवार व परिचितों को भी इसके बारे में जागरूक करें।



सिर्फ डाउनलोड नहीं इस्तेमाल भी करें

एसपी ने कहा कि अभेद्य ऐप डाउनलोड करने के बाद इसमें उपलब्ध साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी और जागरूकता सामग्री को पढ़ें तथा अपने दैनिक डिजिटल व्यवहार में अपनानें। परिवार में बच्चों और बुजुर्गों को भी ऑनलाइन ठगी के तरीकों के बारे में समझाएं। साइबर ठगी होने पर तुरंत करें कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराएं नहीं और ठग से बातचीत या लेन-देन जारी रखने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें।